RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 201
दि. 22.11.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

प्रधानमंत्री ने चार श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन का स्वागत किया

प्रधानमंत्री ने कहा देश की स्वतंत्रता के बाद से यह सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधारों में से एक है और व्यापार सुगमता को बढ़ावा देता है

प्रधानमंत्री ने कहा ये संहिताए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा के लिए मजबूत आधार होंगी

प्रधानमंत्री ने कहा ये भविष्योन्मुखी पारिस्थितिकी तंत्र निर्मित कर श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेंगी और भारत के आर्थिक विकास को मजबूती देंगी

प्रधानमंत्री ने कहा ये सुधार रोजगार सृजन को बढ़ावा देंगे, उत्पादकता बढ़ाएंगे और विकसित भारत की ओर अग्रसर हमारी यात्रा को गति प्रदान करेंगे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चार श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन का स्वागत किया है और इसे देश की स्वतंत्रता के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधारों में से एक बताया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये सुधार श्रमिकों के अत्यधिक सशक्तिकरण के साथ ही नियमों का अनुपालन सरल बनाएंगे और व्यापार सुगमता को बढ़ावा देंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये चारों श्रम संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर वेतन भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और विशेषकर नारी शक्ति और युवा शक्ति सहित लोगों के लिए लाभकारी अवसर प्रदान करने के मजबूत आधार बनेंगे।

श्री मोदी ने कहा कि ये सुधार भविष्योन्मुखी पारिस्थितिकी तंत्र निर्मित करेंगे जिससे श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा होगी और भारत का आर्थिक विकास सुदृढ़ होगा। उन्होंने कहा कि ये सुधार रोजगार सृजन को बढ़ावा देंगे, उत्पादकता बढ़ाएंगे और विकसित भारत की ओर अग्रसर देश की यात्रा को गतिमान बनाएंगे।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट में लिखा;

श्रमेव जयते!

आज, हमारी सरकार ने चार श्रम

संहिताएं लागू की है। यह देश की आजादी के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधारों में से एक है। यह हमारे श्रमिकों को अत्यधिक सशक्त बनाता है। इससे अनुपालन में भी काफी सरलता आएगी और व्यापार सुगमता को बढ़ावा मिलेगा।

ये संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर वेतन भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थलों और हमारे लोगों, विशेषकर नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए लाभकारी अवसरों के लिए मजबूत आधार बनेंगी।

यह भविष्योन्मुखी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेगा जो श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा और भारत के आर्थिक विकास को मजबूती देगा। ये सुधार रोजगार सृजन को बढ़ावा देंगे।

उत्पादकता बढ़ाएंगे और विकसित भारत की हमारी यात्रा को गति देंगे।

'श्रमेव जयते!

आज मेरे श्रमिक भाई-बहनों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। हमारी सरकार ने चार लेबर कोड लागू कर दिए हैं। आजादी के बाद यह श्रमिकों के हित में किया गया सबसे बड़ा रिफॉर्म है। यह देश के कामगारों को बहुत सशक्त बनाने वाला है। इससे जहां नियमों का पालन करना बहुत आसान होगा, वहीं 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा मिलेगा।

'ये कोड श्रमिक भाई-बहनों के लिए सामाजिक सुरक्षा, समय पर वेतन और सुरक्षित कार्यस्थल की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही, ये बेहतर और लाभकारी अवसरों के लिए एक सशक्त नींव भी बनाएंगे। हमारी माताएं-बहनें और युवा साथी इनसे विशेष रूप से लाभान्वित होंगे।'

'इन सुधारों के जरिए एक ऐसा मजबूत इकोसिस्टम तैयार होगा, जो भविष्य में हमारे कामगारों के अधिकारों की रक्षा करेगा और भारत की आर्थिक वृद्धि को नई शक्ति देगा। इससे नौकरियों के नए-नए अवसर तो बनेंगे ही, प्रोडक्टिविटी भी बढ़ेगी। इसके साथ ही विकसित भारत की हमारी यात्रा को भी तेज गति मिलेगी।'

वडनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से 22 नवंबर को ताना-रीरी महोत्सव का शुभारंभ

दो दिवसीय महोत्सव में शाम को सुप्रसिद्ध कलाकार शास्त्रीय गायन, वादन एवं लोक संगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे

गांधीनगर, 21 सितंबर : मेहसाणा जिले के वडनगर में हर वर्ष ताना-रीरी महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। इस वर्ष इस महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से 22 नवंबर को कराया जाएगा। इस वर्ष सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका सुश्री कलापिनी कोमकली को ताना-रीरी संगीत सम्मान अवॉर्ड प्रदान किया जाएगा। 22 व 23 नवंबर को आयोजित इस दो दिवसीय महोत्सव में शाम को शास्त्रीय गायन, वादन तथा लोक संगीत के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के दूसरे दिन यानी 23 नवंबर को गुजरात सरकार के वन एवं पर्यावरण तथा सड़क परिवहन राज्य मंत्री श्री प्रवीण माली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

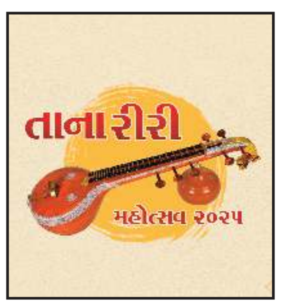

वडनगर की ऐतिहासिक संगीत परंपरा को जीवंत रखने के लिए वर्ष 2003 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा देश के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ताना-रीरी महोत्सव तथा 2010 में ताना-रीरी संगीत सम्मान अवॉर्ड की शुरूआत कराई गई थी। राज्य के खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ विभाग अधीनस्थ संगीत नाटक अकादमी द्वारा संगीत साम्राज्ञी ताना-रीरी की स्मृति में प्रति वर्ष इस महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

संगीत समारोह

इस दो दिवसीय महोत्सव में पहले दिन शाम को 6.30 बजे सुश्री कलापिनी कोमकली द्वारा शास्त्रीय गायन, श्री निलाद्री कुमार द्वारा शास्त्रीय वादन तथा सुश्री ईशानी दवे द्वारा लोक संगीत की प्रसुत्ति की जाएगी। दूसरे दिन डॉ. सुभद्रा देसाई द्वारा शास्त्रीय गायन, श्री निनद अधिकारी व उनकी टीम द्वारा शास्त्रीय गायन तथा श्री पार्थ ओझा व उनकी टीम द्वारा लोक संगीत की प्रस्तुत की जाएगी।

गुजरात के संगीत इतिहास में अमर नाम 'ताना-रीरी'

भक्त कवि नरसिंह मेहता की दोहित्री शर्मिष्ठा की सुपुत्रियों ताना एवं रीरी ने संगीत के प्रति अपने समर्पण से गुजरात के संगीत इतिहास में अपना नाम अमर कर दिया है। संगीत सम्राट तानसेन ने जब दीपक राग छेड़ा, तब उनके शरीर में दाह उत्पन्न हुआ था, जिसे ताना-रीरी ने मल्हार राग गाकर शांत किया था। उनकी कला के सम्मान के संरक्षण के लिए दोनों बहनों ने आत्मबलिदान दिया था।

संगीत की इन कलाधारिणी बहनों के सम्मान में वडनगर के ताना-रीरी समाधि स्थल पर वर्ष 2003 से हर वर्ष ताना-रीरी शास्त्रीय संगीत महोत्सव आयोजित होता है।

विश्व के मुख्य न्यायाधीशों का सम्मेलनः सीएम योगी बोले- न्याय नागरिक की सुरक्षा व उन्नत भविष्य का आधार बनना चाहिए

(जीएनएस)।

लखनऊ , राजधानी में विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। आगे पढ़ें शुक्रवार को विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोह लिया।

इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत हजारों वर्षों से दुनिया को एक परिवार मानता रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दुनिया की वास्तविक समस्या एक-दूसरे के साथ डायलॉग को बाधित करना है। यह सम्मेलन एक-दूसरे के साथ डायलॉग का साधन है। कुछ समय पहले यूएन ने दुनिया के सामने 16 गोल रखे थे। उसमें शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है।

वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता हड़पने की होड़

उन्होंने कहा कि शिक्षा में इस बात का ध्यान रखना होगा कि बच्चे बस्ते के बोझ से बोझिल न हों। दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है। जहां वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता को हड़पने की होड़ हो, वहां पर शिक्षा, विकास, स्वास्थ्य की बात अपने आप में एक बेमानी सी दिखती है। इसके लेकर हम सभी को यह सोचना चाहिए कि किस स्तर तक की व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता है। हम भी उसमें सहभागी बन सकते हैं।

सीएम ने आगे कहा कि हम अक्सर इस बात को देखते हैं कि जलवायु परिवर्तन और उससे उत्पन्न होने वाले संकट भी हमारे सामने एक नई चुनौती हैं। साइबर क्राइम, डाटा चोरी जैसी समस्या भी हमारे सामने खड़ी है। ऐसी स्थिति में न्याय, नैतिकता और अंतर्राष्ट्रीय कानून, विश्व शांति और मानव सभ्यता के लिए एक बड़ी लकीर खींचने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर मुखर होकर बोलना चाहिए

उन्होंने कहा कि यूएन ने 80 वर्ष पहले कहा था कि दुनिया को अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और जवाबदेह वैश्विक प्रणाली की आवश्यकता है। इस पर आज सोचने की जरूरत है। साइबर क्राइम, अच्छे स्वास्थ्य और वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भी मुखर होकर यूएन जैसे प्लेटफार्म का उपयोग करना चाहिए। इसके लिए भारत की उस प्राचीन व्यवस्था पर जरूर ध्यान देना चाहिए, जिस पर हमने पांच अवयव पृथ्वी, जल, आकाश, अग्नि, वायु की उपासना का आधार मान करके इनकी सुरक्षा, सरंक्षण को सदैव प्राथमिकता दी।

न्याय मानवता की समस्या के समाधान का रास्ता निकाले

अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि आज जब दुनियाभर के न्यायविद एक जगह एकत्र हुए हैं, तो न्याय मानवता की समस्या के समाधान का रास्ता कैसे निकाल सकता है, इस कांफ्रेंस के माध्यम से दुनियाभर में यह संदेश देने की आवश्यकता है। न्याय न केवल समता का बल्कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा, स्वावलंबन और उनके उन्नत भविष्य का आधार बनना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने काशी सांसद खेल-कूद प्रतियोगिता के विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने काशी सांसद खेल-कूद प्रतियोगिता के सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

श्री मोदी ने कहा कि इसमें हिस्सा लेने वाले युवा प्रतिभागियों का जो जोश और उत्साह देखने को मिला, वो अद्भुत था। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी क्षमता और कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा;

"काशी सांसद खेलकूद प्रतियोगिता के सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को मेरी बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं! इसमें हिस्सा लेने वाले युवा साथियों का जो जोश और उत्साह देखने को मिला, वो अद्भुत था। उन्होंने अपनी क्षमता और कौशल

नागपुर में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और नितिन गडकरी ने किया एग्रो विजन का उद्घाटन

संतरे के लिए नागपुर में शुरू किया जाएगा क्लीन प्लांट सेंटर, उत्पादकता बढ़ाने पर जोरझ्र श्री शिवराज सिंह

सरकारें बहना बना रही हैं, उनकी ताकत को कोई अनदेखा नहीं कर सकता- श्री शिवराज सिंह चौहान

जलभराव व जंगली जानवरों से फसल को क्षति होने पर फसल बीमा योजना में मदद का किया प्रावधान- श्री चौहान

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आज नागपुर में एग्रो विजन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मंत्रियों व क्षेत्रीय विधायकों के साथ ही बड़ी संख्या

में किसान, कृषि विशेषज्ञ, कुलपतिगण, शोध संस्थान प्रतिनिधि, उद्यमी भी शामिल हुए। यहां श्री शिवराज सिंह ने संतरा उत्पादकता बढ़ाने के लिए क्लीन प्लांट की जरूरत रेखांकित करते हुए नागपुर में 70 करोड़ रुपये से क्लीन प्लांट सेंटर प्रारंभ करने की घोषणा की।

समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों को अच्छे पौधे मिलना चाहिए, अगर वो नर्सरी से ऐसा पौधा ले आया जिसमें कोई वायरस है, जो 2झ4 साल में अपना असर दिखाएगा और प्लांट खराब हो जाएगा, अच्छा उत्पादन नहीं दे पाएगा तो किसान बर्बाद हो जाता है। पैसा पूरा खर्च हो जाता है, बाद में पछताने के अलावा कुछ नहीं रहता है, इसलिए संतरा उत्पादक किसानों की भलाई के लिए हम अच्छी नर्सरी चिन्हित करेंगे और उन्हें आर्थिक मदद व टेक्नॉलॉजिकल सपोर्ट देंगे। बड़ी नर्सरी को 4 करोड़ रु. तक और मध्यम या छोटी नर्सरी को 2 करोड़ रु. तक की सहायता करेंगे, जो अच्छा क्लीन प्लांट तैयार करेगी।

श्री शिवराज सिंह ने महिला कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में लाड़की बहना, मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना, बिहार में जीविका बहना, आजकल तो सरकारें बहनें ही बना रही हैं। उनकी ताकत को कोई अनदेखा नहीं कर सकता।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन 22-23 नवंबर, 2025 को आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी.राधाकृष्णन 22-23 नवंबर, 2025 को आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी का दौरा करेंगे। उपराष्ट्रपति 22 नवंबर, 2025 को श्री सत्य साई उच्च शिक्षा संस्थान, प्रशांति निलयम, पुट्टपर्थी के 44वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। उपराष्ट्रपति 23 नवंबर, 2025 को श्री सत्य साईं हिल व्यू स्टेडियम, पुट्टपर्थी में श्री सत्य साईं बाबा के भव्य शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। इसके बाद, उपराष्ट्रपति पलासमुद्रम में राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नारकोटिक्स अकादमी (एनएसीआईएन) के नए परिसर का भी दौरा करेंगे और विशेष फाउंडेशन कोर्स में भाग ले रहे अखिल भारतीय सेवाओं और केंद्रीय सिविल सेवाओं के अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करेंगे।

भारत की राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति निलयम, सिकंदराबाद में भारतीय कला महोत्सव के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया

यह महोत्सव 22 से 30 नवंबर तक जनता के लिए खुला रहेगा

(जीएनएस)।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (21 नवंबर, 2025) को सिकंदराबाद स्थित राष्ट्रपति निलयम में भारतीय कला महोत्सव के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया। नौ दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव का आयोजन राष्ट्रपति निलयम द्वारा संस्कृति मंत्रालय, वस्त्र मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से किया जा रहा है। इस महोत्सव का मकसद गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, गोवा, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव की समृद्ध एवं विविध सांस्कृतिक विरासत को लोगों के सामने प्रस्तुत करना है।

उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय कला महोत्सव के पहले संस्करण में लोगों को पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया गया था। इस बार, हमें पश्चिमी भारत की समृद्ध

सांस्कृतिक विरासत को देखने और समझने का मौका मिला है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस महोत्सव के दौरान, आगंतुक गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, गोवा, दमन और दीव, तथा दादरा और नगर हवेली के हस्तशिल्प, नृत्य, संगीत, साहित्य और व्यंजनों के जरिए भारत के पश्चिमी क्षेत्रों की लोक संस्कृति की झलक देख सकेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार लोगों, खासकर युवाओं को हमारी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय कला महोत्सव जैसे आयोजन विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को एक-दूसरे को समझने में मदद करते हैं और यह समझ हमारे नजरिए को और व्यापक बनाती है। इसके अलावा, ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान बढ़ाते हैं और हमें इसे संरक्षित करने के लिए प्रेरित भी करते हैं।

सम्पादकीय

बिहार की जनता ने नीतीश जैसे व्यक्ति को उनकी संवदेनशीलता के चलते जीत का ताज पहनाया

नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को दसवीं बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर यह सिद्ध कर दिया कि वे बिहार की जनता में लोकप्रिय तो हैं ही उनके विरोधी भी उन्हें ईमानदार और जनसमस्याओं की अच्छी समझ रखने वाले संवेदनशील व्यक्ति मानते हैं। उनकी स्वीकार्यता इसलिए है क्योंकि वह सौम्य और मध्यम मागा नेता हैं। खांटी सोशलिस्ट होने के कारण समझौतावादी तो हैं ही साझावादी भी हैं।

दरअसल नीतीश वुमार सोशलिस्ट सिद्धांत के प्राति समर्पण भाव से ही रहते हैं किन्तु उनकी सैद्धांतिक प्रातिबद्धता के कारण आम जनता को किसी तरह की असुविधा नहीं होती। बिहार दशकों तक विपन्नता, भ्रष्टाचार और बेईमानी का प्रातीक माना जाता रहा है। नीतीश ने बड़ी ही शालीनता से शासन का पूरा ध्यान जनता की समस्याओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, यातायात को बेहतर बनाने, जनता को जाम की समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए लगाया।

राजनीति में विकल्प का बहुत महत्व होता है। जनता कभी भी दोबारा धोखा नहीं खाना चाहती। 2024 के संसदीय चुनाव में विपक्ष की पार्टियों ने सुनियोजित तरीके से केन्द्र सरकार और एनडीए पर आरोप लगाया कि वे संविधान की मूल भावना सामाजिक कल्याण के प्रावधान को खत्म करके आरक्षण व्यवस्था ही समाप्त करना चाहते हैं, राज्य की भोली भाली जनता समझ नहीं पाई और संविधान बचाने के लिए भाजपा नीत एनडीए के घटक दलों को वोट नहीं दिया परिणाम यह हुआ कि ज्यादातर एनडीए उम्मीदवार चुनाव हार गए और इंडिया गठबंधन के प्रात्याशी मुकाबले में मैदान मार ले गए। लेकिन एक साल बाद ही संविधान को लेकर विपक्षी शिगूफा हवा हवाई हो गया। जब तक राजनीतिक दल जनता को मूर्ख बनाने में सफल होते रहते हैं, तो उन्हें लगता है कि जनता की मूर्खता उसका स्थाई भाव है। ऐसे में वह न तो अपनी कायंर्शैली बदलता और न ही मूर्ख बनाने की आदत को छोड़ता है। जनता में लालू प्रासाद और उसके छोटे सहयोगी कांग्रोस को यह समझने में काफी समय लगा किन्तु उन्हें इस बात का एहसास हो गया कि उनके पास नीतीश का कोई विकल्प है ही नहीं तो जनता ने अपना नेता चुनकर बता दिया कि 'जब नीतीश हैं तो कोई और क्यों!' जनता में भ्रम पैलाने वाले विपक्ष ने नीतीश के मुकाबले में तेजस्वी को आगे करके न सिर्प अपनी नासमझी को उजागर किया बल्कि उसने यह भी साबित कर दिया कि जनता नीतीश के बारे में क्या सोचती है? बहरहाल शपथ ग्राहण के बाद अब बिहार की 13 करोड़ से ज्यादा जनता की सेवा करना नीतीश के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। राज्य में विकसित हो रही सड़कों, रेल लाइनों, हवाई अड्डों और नदियों पर पुलों के निर्माण में राज्य को वेंद्र की मोदी सरकार से भरपूर सहायता मिल रही है किन्तु सरकार के सामने दो सबसे बड़ी चुनौतियां मुंह बाए खड़ी है। पहली यह कि राज्य में औद्योगिकीकरण और रोजगार पैदा करना तथा दूसरा राज्य में संगठित अपराधियों के गिरोहों को नेस्तनाबूद करना। यह बात तो राज्य की जनता भी जानती है कि लालू राज के दौरान प्राइवेट सेक्टर के भारी उद्योग बिहार से विदा हो चुके हैं। अब तो उन्हें इस बात का फिर भरोसा दिलाना पड़ेगा कि राज्य सरकार उनकी सुरक्षा एवं संसाधनों को उपलब्ध कराएगी। बिहार के औद्योगिकीकरण में वेंद्र भी बड़ी भूमिका निभा सकता है। ऐसा करने के लिए वेंद्र सरकार को अपनी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को स्थापित करना होगा तथा जितने भी इच्छुक उद्योगपति हैं उन्हें बिहार में निवेश करने की सलाह दी जानी चाहिए। साथ ही साथ जैसे लखपति दीदी की शुरूआत की गई है ठीक वैसे ही पढ़े लिखे युवकों को अपना स्टार्टअप शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का सिस्टम विकसित किया जाना चाहिए। वुल मिलाकर यह बात शत प्रातिशत सही है कि जैसे-जैसे जनता का विश्वास नीतीश पर बढ़ता गया, वैसे-वैसे मंत्रिपरिषद पर भी कर्तव्यबोध का भार बढ़ता ही जाएगा। इसलिए जीत के जश्न से मुक्ति मिलते ही नीतीश सरकार को जनसेवा की अपनी प्रातिबद्धता में फिर जुट जाना होगा।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 में आयुष मंडप एक प्रमुख आकर्षण

आयुष मंडप ने आईआईटीएफ 2025 में परिवारों को मुफ्त परामर्श, मुफ्त दवाओं और बच्चों के लिए आकर्षक गतिविधियों के साथ आकर्षित किया

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने स्वस्थ स्नैक्स और प्रीमिक्स के साथ आयुर्वेद-आधारित पोषण का प्रदर्शन किया

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने आईआईटीएफ 2025 में सात्विक आहार और आयुर्वेदिक कल्याण के उत्पादों पर जोर दिया

राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ ने आयुर्वेद पोषण, मिलेट क्विज और स्वस्थ खाद्य नवाचारों के साथ वैश्विक आगंतुकों को आकर्षित किया

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने वाई-ब्रेक, योग डेमो और इंटरैक्टिव क्विज के साथ आईआईटीएफ के आगंतुकों को आकर्षित किया

यूनानी सेव शन ने पारंपरिक खाद्य पदार्थों, डिजिटल मिजाज मूल्यांकन और मुफ्त परामर्श के साथ भीड़ को आकर्षित किया

सिद्ध सिस्टम ने हिबिस्कस चाय और पंचमुट्टी कांजी जैसे निवारक स्वास्थ्य और पौष्टिक खाद्य पदार्थों का दशार्या

राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड ने हर्बल जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अटल आयुष महोत्सव के तहत औषधीय पौधे वितरित किए

आयुष स्टार्ट-अप ने आईआईटीएफ 2025 में उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए अभिनव कल्याण उत्पादों का प्रदर्शन किया

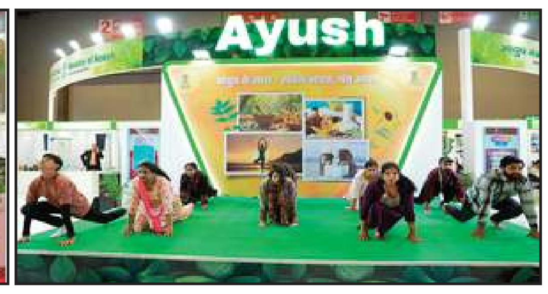

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय"आयुष के साथ - स्वस्थ भारत, श्रेष्ठ भारत" थीम के अंतर्गत भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) 2025 में भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा विरासत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। आयुष मंडप में विषयगत स्टॉल इस मेले में सबसे अधिक देखे जाने वाले आकर्षणों में से एक बनकर उभरे हैं, जो आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी में निहित समग्र स्वास्थ्य समाधानों को जानने के लिए उत्सुक हजारों आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं।

प्रत्येक स्टॉल आयुष स्वास्थ्य प्रणालियों के एक विशिष्ट पहलू पर प्रकाश डालता है, जिसमें डिजिटल निदान और आहार प्रदर्शन से लेकर इंटरैक्टिव गेम्स और विशेषज्ञ परामर्श तक शामिल हैं। यह मंडप सहभागी गतिविधियों, लाइव डेमो और शैक्षिक सत्रों के माध्यम से सभी आयु वर्ग के आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

मंडप का मुख्य आकर्षण अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) का स्टॉल है, जो कार्यात्मक खाद्य उत्पादों और उनके चिकित्सीय लाभों की विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से आयुर्वेद-आधारित आहार पद्धतियों पर प्रकाश डाल रहा है। संस्थान रागी नाचोस, सुंथ्यादि लड्डू, रागी-उड़द लड्डू, मुडगा सूप प्रीमिक्स और यवदी सत्तू जैसे व्यंजन प्रदर्शित कर रहा है, जो सभी शास्त्रीय आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार तैयार किए गए हैं। स्टॉल पर विशेषज्ञ बता रहे हैं कि ये व्यंजन खासकर एनीमिया प्रबंधन, प्रतिरक्षण प्रणाली में सुधार और पाचन स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में कैसे बेहतर पोषण में सहायक होते हैं। आगंतुकों को शैक्षिक पुस्तिकाएं भी दी जा रही हैं जिनमें व्यंजनों, बनाने की विधियों और शरीर की प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में पारंपरिक अनाजों, जड़ी-बूटियों और मसालों की भूमिका के बारे में जानकारी शामिल है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर ने 'आयुष आहार' थीम के अनुरूप एक व्यापक प्रदर्शनी आयोजित की है। संस्थान त्रिफला जैम, कायाकल्प करने वाले दाने और रागी बिस्कुट सहित सात्विक आहार उत्पादों की एक श्रृंखला प्रस्तुत कर रहा है, साथ ही प्रामाणिक आयुर्वेदिक सामग्रियों से बने एलोवेरा जेल, लिप बाम और फुट क्रीम जैसे व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद भी प्रस्तुत कर रहा है। संकाय सदस्य आगंतुकों के साथ संवाद कर रहे हैं और बता रहे हैं कि सात्विक भोजन के सिद्धांत मानसिक स्पष्टता, संतुलित ऊर्जा स्तर और दीर्घकालिक स्वास्थ्य में कैसे योगदान करते हैं। स्टॉल पर सूचनाप्रद ब्रोशर भी उपलब्ध हैं जो आगंतुकों को यह समझने में मदद करते हैं कि आयुर्वेद पर आधारित आहार के मामूली बदलाव को दैनिक जीवन में कैसे शामिल किया जा सकता है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (आरएवी) आयुष आहार थीम के अंतर्गत आयुर्वेद-आधारित पोषण संबंधी उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदर्शित कर रहा है। इसके स्टॉल पर पौष्टिक कुकीज (तिल, अजवाइन और जीरा), एनी ब्रेड, जीतायु चाय, एनप्पी ड्रिंक और फुल मून चॉकलेट जैसी चीजें मौजूद हैं, जो दैनिक आहार में आयुर्वेदिक सिद्धांतों के समावेश पर प्रकाश डालती हैं। आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए, आरएवी आयुर्वेद में बाजरे के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मिलेट क्विज भी आयोजित कर रहा है। इस स्टॉल ने छात्रों, परिवारों और अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी को आकर्षित किया है, जिन्होंने आयुर्वेदिक ज्ञान पर आधारित स्वस्थ, स्थायी भोजन की आदतों को बढ़ावा देने के आरएवी के प्रयासों की सराहना की है।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) योग-आधारित प्रदर्शनों और शैक्षिक गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से इस मंडप में योगदान दे रहा है। संस्थान सामान्य योग प्रोटोकॉल, लयबद्ध योग प्रदर्शनों, इंटरैक्टिव योग क्विज और लघु "वाई-ब्रेक" अभ्यासों पर निर्देशित सत्र प्रस्तुत कर रहा है, जो विशेष रूप से उन कामकाजी व्यक्तियों के लिए डिजाइन किए गए हैं और अपने दैनिक कार्यों के दौरान त्वरित विश्राम तकनीकों की तलाश में हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से, एमडीएनआईवाई का उद्देश्य आगंतुकों को यह अनुभव कराना है कि कैसे सरल योग अभ्यासों को आधुनिक जीवनशैली में सहजता से शामिल किया जा सकता है ताकि तनाव कम हो, एकाग्रता और लचीलापन बढ़े।

यूनानी चिकित्सा का प्रतिनिधित्व केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) और राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। उनके स्टॉल पर पारंपरिक यूनानी खाद्य पदार्थ जैसे हरेरा, यूनानी कहवा, हलवा घीकवार, गुलकंद और तलबीना-आधारित जौ उत्पाद प्रदर्शित हैं। साथ ही, यूनानी आहार विज्ञान के ढांचे में उनके चिकित्सीय महत्व की व्याख्या भी की गई है। स्टॉल का एक प्रमुख आकर्षण एक डिजिटल मिजाज-मूल्यांकन कियोस्क है जो आगंतुकों को यूनानी निदान सिद्धांतों के आधार पर उनके व्यक्तिगत स्वभाव प्रकार, जैसे दमवी, बल्गामी, सफरावी या सौदवी को समझने में मदद करता है। सीसीआरयूएम और एनआईयूएम के चिकित्सक निःशुल्क परामर्श प्रदान कर रहे हैं और दवाइयां वितरित कर रहे हैं, जिससे आगंतुकों को यह समझने में मदद मिल रही है कि कैसे व्यक्तिगत यूनानी आहार निवारक स्वास्थ्य में सहायक हो सकते हैं।

सिद्ध प्रणाली का प्रदर्शन राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (एनआईएस), चेन्नई और केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) द्वारा संयुक्त रूप से निवारक स्वास्थ्य, पोषण और जन जागरूकता पर केंद्रित किया जा रहा है। "आयुष आहार" थीम के अंतर्गत, सीसीआरएस सिद्ध-प्रेरित खाद्य पदार्थों जैसे हिबिस्कस इन्फ्यूजन टी, पंचमुट्टी कांजी, करिसलाई मिट्टई और हलीम नाचोस का प्रदर्शन कर रहा है, जिन्होंने आगंतुकों की लगातार अपनी ओर आकर्षित किया है। इनमें विशेषकर हिबिस्कस चाय ने लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया है। एनआईएस टीम आईईसी सामग्री, 100 से अधिक लाभार्थियों के लिए निःशुल्क चिकित्सा परामर्श और आईआईटीएफ आयुष स्टॉल पर जागरूकता सत्रों के माध्यम से आगंतुकों के साथ जुड़ रही है। संस्थान अपने स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा कर रहा है, जिससे सिद्ध शिक्षा और अनुसंधान में व्यापक भागीदारी को बढ़ावा मिल रहा है।

केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) ने एक व्यापक स्टॉल लगाया है जिसमें अनुसंधान प्रकाशन, पोस्टर, डिजिटल सामग्री और होम्योपैथी में नैदानिक अध्ययनों एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की गई है। मंडप के भीतर एक होम्योपैथिक ओपीडी भी चल रही है जहां चिकित्सक निःशुल्क परामर्श प्रदान कर रहे हैं और आवश्यक दवाएं वितरित कर रहे हैं। प्रदर्शनी में होम्योपैथी के मूल सिद्धांतों, व्यक्तिगत उपचार की भूमिका और अनुसंधान एवं नैदानिक सत्यापन के लिए सीसीआरएच द्वारा अपनाई गई वैज्ञानिक पद्धतियों के बारे में भी बताया गया है।

इस मंडप में आयुष प्रणालियों के विभिन्न संस्थान भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा संस्थान आगंतुकों को हिमालयी क्षेत्र की प्राचीन चिकित्सा परंपराओं की जानकारी प्रदान कर रहा है। इस स्टॉल पर सोवा-रिग्पा आहार, चिकित्सीय आहार और हर्बल नुस्खों के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध है। संस्थान प्रतिदिन लगभग चालीस निःशुल्क परामर्श प्रदान कर रहा है, जिसमें चिकित्सक शास्त्रीय सोवा-रिग्पा ग्रंथों पर आधारित व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इस संवाद ने आगंतुकों को एक ऐसी चिकित्सा प्रणाली को समझने का अनूठा अवसर प्रदान किया है जो आहार, व्यवहार और हर्बल उपचारों के माध्यम से प्रकृति के साथ सामंजस्य पर जोर देती है।

राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) औषधीय पौधों की एक जीवंत प्रदर्शनी प्रस्तुत कर रहा है, जिसके बाद उनकी पहचान, खेती और चिकित्सीय इस्तेमाल पर विस्तृत जानकारी दी जा रही है। आगंतुकों को जड़ी-बूटियों के घरेलू उपयोगों पर आधारित शैक्षिक सामग्री वितरित की जा रही है। मौजूदा "अटल आयुष महोत्सव" के अंतर्गत, एनएमपीबी भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में औषधीय पौधे भी वितरित कर रहा है, जिससे घर पर औषधीय पौधों की खेती करने में रुचि रखने वाले बड़ी संख्या में आगंतुक आकर्षित हो रहे हैं।

आयुष मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार का एक उद्यम, इंडियन मेडिसिन्स फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल), इस मंडप में अपनी प्रामाणिक आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियों की श्रृंखला प्रस्तुत कर रहा है। यह मोहन (उत्तराखंड) में अपनी डब्ल्यूएचओ-जीएमपी और आईएसओ-प्रमाणित विनिर्माण सुविधा के साथ, आईएमपीसीएल केंद्र और राज्य सरकार के स्वास्थ्य सेवा संस्थानों को आपूर्ति किए जाने वाले उच्च-गुणवत्ता वाले पारंपरिक फॉर्मूलेशन को प्रदर्शित कर रहा है। यह स्टॉल संगठन की विश्वसनीय उत्पाद श्रृंखला और वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 170 करोड़ रुपए के वार्षिक कारोबार द्वारा समर्थित, मानकीकृत, गुणवत्ता की गारंटी वाली आयुष औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका को प्रदर्शित करने के लिए रुचि आकर्षित कर रहा है।

भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी के लिए फामाकीपिया आयोग (पीसीआईएमएंडएच) एएसयूएंडएच फामाकीपिया, फार्मूलरी और सूखी एकल औषधियों सहित प्रमुख प्रकाशनों का प्रदर्शन कर रहा है। साथ ही, ब्रोशर और दृश्य-श्रव्य सामग्री भी प्रदर्शित कर रहा है जो इसके अधिदेश की व्याख्या करती है। फामाकीपिया मानकों के लिए सर्वोच्च निकाय और बीआईएस-प्रमाणित एकीकृत प्रबंधन प्रणालियों वाली एनएबीएल-मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला के रूप में, पीसीआईएमएंडएच इस मंडप का उपयोग आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं के गुणवत्ता मानकों, सुरक्षा और वैज्ञानिक मान्यता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए कर रहा है।

केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन) की ओर से प्राकृतिक चिकित्सा-आधारित पोषण और स्वास्थ्य पर केंद्रित कई गतिविधियां प्रस्तुत की जा रही हैं। इस स्टॉल पर आयुष आहार के भौतिक और डिजिटल, दोनों स्वरूपों में प्रदर्शनियां हैं, जिनमें वृत्तचित्र और दृश्य-श्रव्य सामग्री भी शामिल है। सीसीआरवाईएन आगंतुकों को प्राकृतिक चिकित्सा और योगाभ्यासों से परिचित कराने के लिए सूचना और संचार सामग्री (आईईसी) भी वितरित कर रहा है। आगंतुक पारंपरिक प्राकृतिक चिकित्सा से प्रेरित नाश्ते जैसे तिल के लड्डू, मूंगफली-तिल के लड्डू, मखाना लड्डू और बाजरा नमकीन का स्वाद ले रहे हैं, जो शास्त्रीय प्राकृतिक चिकित्सा ग्रंथों में सुझाए गए सरल और पौष्टिक आहार के विकल्पों को दशार्ते हैं।

इस मंडप में कई आयुर्वेद-आधारित स्टार्ट-अप भी शामिल हैं, जो त्वचा और बालों की देखभाल के लिए विभिन्न प्रकार के उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं। इनमें त्वचा की देखभाल और बालों की देखभाल के लिए फॉमूर्ले, डिटॉक्स ड्रिंक्स, आयुर्वेदिक खाद्य पदार्थ और अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद शामिल हैं। उनकी भागीदारी आयुष मंत्रालय के युवा उद्यमों को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को दशार्ती है, जिससे इन स्टार्ट-अप उद्योगों को आगंतुकों के साथ जुड़ने और पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान के समकालीन इस्तेमाल से परिचित कराने के लिए एक राष्ट्रीय मंच मिलता है।

आयुष मंडप के आकर्षण को आगे बढ़ाते हुए, इसमें बच्चों, युवाओं और परिवारों को आकर्षित करने के लिए एक आकर्षक एक्टिविटी जोन भी है। इस जोन में छह से बारह वर्ष की आयु के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिताएं, स्वास्थ्य-आधारित सांप-सीढ़ी के खेल, प्रकृति परीक्षण और मिजाज परीक्षण, नारा लेखन और पोस्टर बनाने के सत्र, पहिया घुमाने वाले खेल, मिलेट क्विज और एक समर्पित फोटो बूथ शामिल हैं। ये गतिविधियां सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करती हैं और आगंतुकों को मनोरंजक और संवादात्मक तरीके से स्वास्थ्य संबंधी अवधारणाओं को समझने में मदद करती हैं।

आईआईटीएफ 2025 का आयुष मंडप अपनी विविध प्रदर्शनियों और आगंतुकों की सक्रिय भागीदारी के साथ लगातार लोगों को आकर्षित कर रहा है। यह मंडप भारत की समग्र स्वास्थ्य सेवा की समृद्ध परंपरा को दशार्ता है। यह भी दशार्ता है कि कैसे पारंपरिक आयुष ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोणों के साथ एकीकृत किया जा रहा है। आगंतुकों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और आयुष औषधियां भी प्रदान की जा रही हैं। इससे आयुष मंत्रालय के निवारक, किफायती और समुदाय-उन्मुख स्वास्थ्य सेवा पर केंद्रित दृष्टिकोण की पुष्टि होती है।

एनबीए ने लाल चंदन की लकड़ी की सुरक्षा और संरक्षण के लिए आंध्र प्रदेश को 39.84 करोड़ रुपये जारी किए

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने देश के जैव विविधता संरक्षण प्रयासों को सुदृढ़ करने के लिए बहुमूल्य लाल चंदन की लकड़ी की सुरक्षा और संरक्षण के लिए आंध्र प्रदेश वन विभाग को 38.36 करोड़ रुपये और आंध्र प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड को 1.48 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसके साथ, देश की एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग (एबीएस) डिस्बर्समेंट ने 110 करोड़ रुपये का प्रभावशाली आंकड़ा पार कर लिया है, जो जैव विविधता से जुड़ी देश की सबसे बड़ी एबीएस रिलीज में से एक है।

लाल चंदन अपनी गहरी लाल लकड़ी के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह प्राकृतिक रूप से, देश के केवल पूर्वी घाट के खास क्षेत्रो में, विशेषकर आंध्र प्रदेश के अनंतपुर, चित्तूर, कडप्पा, प्रकाशम और कुरनूल जिलों में उगता है। आंध्र प्रदेश वन विभाग ने नीलाम या जब्त की गई लाल चंदन की लकड़ी से लाभ-साझाकरण राशि के रूप में 87.68 करोड़ रुपये अर्जित किए।

अब तक, एनबीए ने लाल चंदन की लकड़ी के संरक्षण, सुरक्षा और अनुसंधान के लिए आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा के वन विभागों और आंध्र प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड को 49 करोड़ रुपये से अधिक जारी किए हैं। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश में 198 किसानों को 3 करोड़ रुपये और तमिलनाडु में 18 किसानों को 55 लाख रुपये वितरित किए गए हैं।

आंध्र प्रदेश वन विभाग को अभी जारी 38.36 करोड़ की राशि से अग्रिम पंक्ति के वन कर्मचारियों को और सशक्त बनाया जाएगा, सुरक्षा उपाय बढ़ाए जाएंगे, लाल चंदन वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन को प्रोत्साहित किया जाएगा, जैव विविधता प्रबंधन समितियों के माध्यम से आजीविका के अवसर उत्पन्न किए जाएंगे और इस बहुमूल्य लकड़ी के व्यावसायिक भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम को चिह्नित करते हुए दीर्घकालिक निगरानी कार्यक्रम को मजबूत किया जाएगा।

इसके अलावा, एनबीए ने आंध्र प्रदेश जैव विविधता बोर्ड द्वारा 2 करोड़ रुपये की लागत से लाल चंदन के एक लाख पौधे उगाने की एक बड़ी पहल को भी मंजूरी दी है। एक प्रारंभिक राशि पहले जारी की गई थी और शेष 1.48 करोड़ रुपये अब आंध्र प्रदेश जैव विविधता बोर्ड को हस्तांतरित कर दिए गए हैं। इन पौधों को बाद में किसानों को दिया जाएगा, जिससे ट्रीज आउटसाइड फॉरेस्ट (टीओएफ) कार्यक्रम को बढ़ावा मिलेगा और इस दुर्लभ प्रजाति को इसके प्राकृतिक आवास से बाहर संरक्षित करने में मदद मिलेगी।

इस ऐतिहासिक पहल से पता चलता है कि वैश्विक जैव विविधता सिद्धांतों को लागू करने में नेतृत्व को उजागर करके कैसे एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग (एबीएस) देश की उपलब्धियों में सीधे मदद कर सकता है। इससे लाल चंदन के संरक्षण से जुड़े लाभ स्थानीय समुदायों, किसानों और जैव विविधता संरक्षकों को मिलना सुनिश्चित होता है। एनबीए आने वाली पीढ़ियों के लिए देश की समृद्ध जैविक विरासत की रक्षा के लिए राज्य जैव विविधता बोर्डों, वन विभागों, जैव विविधता प्रबंधन समितियों और स्थानीय हितधारकों के साथ काम करना जारी रखेगा।

जब सिनेमा हरित सोचता है: चार देशों ने कला, संस्कृति और जलवायु पर विचार साझा किए

फिल्मकारों ने चर्चा की कि पर्यावरण अनुकूल तरीकों से कहानियों, सेट और रचनात्मक फैसलों पर क्या असर पड़ता है

पैनल चर्चा में संस्कृति, जिम्मेदारी और भविष्य में जिम्मेदार फिल्म निर्माण पर गहराई से बात हुई

56वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में "रील ग्रीनः चार सिनेमाओं में स्थिरता और कहानी कहने का माध्यम" विषय पर पैनल चर्चा में भारत, जापान, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया के फिल्म निमार्ता एक साथ आए और स्थायी सिनेमा पर वैश्विक दृष्टिकोणों का एक दुर्लभ संगम देखा गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित पत्रकार और फिल्म समीक्षक नमन रामचंद्रन की ओर से संचालित इस सत्र में इस बात पर चर्चा की गई कि पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी न केवल निर्माण प्रक्रियाओं को, बल्कि स्वयं कथाओं को भी आकार दे सकती है, और शिल्प, संस्कृति और विवेक को जोड़ती है।

भारतीय फिल्म निमार्ता और निर्देशक नीला माधव पांडा ने सिनेमा के पर्यावरणीय प्रभाव पर खुलकर विचार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने दर्शकों को याद दिलाया कि फिल्म निर्माण का कार्बन

प्रभाव बहुत बड़ा है और छोटी फिल्मों में अक्सर पर्यावरण-अनुकूल उपायों को अपनाने की सुविधा होती है। उन्होंने कहा, "सिनेमा एक जन माध्यम है। हमारे पास केवल एक ही ग्रह है। हमारे आधे ऊर्जा संसाधन पहले ही खपत हो चुके हैं।" उन्होंने उद्योग जगत से जहां भी संभव हो, स्थायी उपाय अपनाने का आग्रह किया।

नीला माधब पांडा की बात के विपरीत, जापान की फिल्म निमार्ता मीना मोटेकी ने कम बजट वाली फिल्मों में पर्यावरण-अनुकूल तरीकों को लागू करने की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जहां बड़े पैमाने की परियोजनाएं नवाचार की गुंजाइश देती हैं, वहीं छोटी परियोजनाएं अक्सर ऊर्जा उपयोग, सेट प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स के मामले में संघर्ष करती हैं। उन्होंने जापानी फिल्म निर्माण संस्कृति में धीरे-धीरे आ रहे बदलाव की ओर इशारा करते हुए कहा, "हम जहां तक संभव हो, ऊर्जा बचाने की कोशिश कर रहे हैं।"

स्पेनिश फिल्म निमार्ता अन्ना सौरा ने भी इन चिंताओं को दोहराते हुए कहा कि स्थिरता एक रचनात्मक ज़िम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वितरण से लेकर सेट प्रबंधन तक, सचेत विकल्प, कहानी कहने की गुणवत्ता से समझौता किए बिना पर्यावरणीय प्रभाव को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा, "हमारा हर कदम मायने रखता है, और छोटे-छोटे, सोच-समझकर किए गए कदम भी एक हरित भविष्य में योगदान देते हैं।"

ऑस्ट्रेलियाई फिल्म निमार्ता गार्थ डेविस ने बातचीत में एक कथात्मक आयाम जोड़ते हुए बताया कि कैसे कहानियां स्वयं पर्यावरण जागरूकता को प्रभावित कर सकती हैं।

उन्होंने कहा, "फिल्में लोगों को प्रकृति से जोड़ती हैं। युवा पीढ़ी बदलाव चाहती है, और कहानी कहने में व्यवहार और मूल्यों को आकार देने की शक्ति होती है।"

राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन सभा सफलतापूर्वक संपन्न

सभा से तैयारी और विकसित भारत के लिए सहयोगात्मक कार्रवाई को बल मिला

विचार-विमर्श में राज्य सरकारों की मजबूत भागीदारी के साथ चिकित्सा प्रतिवाद, क्षमता निर्माण और सामुदायिक सहभागिता पर प्रकाश डाला गया

प्रदर्शनी और आइडिया वन नेशनल हैकथॉन ने देश की बढ़ती वन हेल्थ क्षमताओं और युवा-संचालित नवाचार को प्रदर्शित किया

डॉ. वी.के. पॉल ने वन हेल्थ को आगे बढ़ाने में सामुदायिक सहभागिता और संपूर्ण सरकारी कार्रवाई की केंद्रीय भूमिका पर प्रकाश डाला

संपूर्ण समाज का जुड़ाव, मजबूत साझेदारियां और जमीनी स्तर की तैयारी देश के वन हेल्थ भविष्य को आकार देगी: डॉ. वी.के. पॉल

(जीएनएस)।

दो-दिवसीय राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन सभा-2025 आज भारत मंडपम में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। दूसरे दिन तकनीकी पर विचार-विमर्श हुआ जिसने एक एकीकृत और सुदृढ़ स्वास्थ्य इकोसिस्टम के निर्माण के सामूहिक राष्ट्रीय प्रयास को और मजबूत किया। सभा में प्रमुख मंत्रालयों, वैज्ञानिक निकायों, विकास भागीदारों और कार्यान्वयन एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सभा में मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के क्षेत्र में समन्वित कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया।

पहले दिन की अच्छी शुरूआत के बाद, जिसमें सरकार के वरिष्ठ नेतृत्व ने संयुक्त नेतृत्व और समुचित सरकारी सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, आज के सत्रों ने गहन वैज्ञानिक, परिचालनात्मक और कार्यक्रम-संबंधी चर्चाओं के माध्यम से उस गति को बनाए रखा। इन संवादों ने साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाया और बेहतर तैयारियों, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं, और सभी क्षेत्रों में दीर्घकालिक वन हेल्थ एकीकरण की नींव रखी।

वरिष्ठ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने दिन की कार्यवाही का नेतृत्व किया। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ.वी.के.पॉल ने निरंतर सहयोग, प्रणालीगत तैयारी और मजबूत राष्ट्रीय क्षमताओं का आ'ान करते हुए शुरूआत की। उनके साथ स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश एस. गोखले भी शामिल हुए, जिन्होंने नवाचार, बदलाव विज्ञान और एकीकृत निगरानी के महत्व पर प्रकाश डाला। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के श्री स्कॉट न्यूमैन और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती वंदना जैन ने अपने योगदान से बहुक्षेत्रीय जुड़ाव और वैश्विक सहयोग के महत्व पर जोर दिया। डीआरडीओ, आईसीएआर, टीएचएसटीआई, सीईपीआई, फाइंड, आयुष और अंतर्राष्ट्रीय वैक्सीन संस्थान के विशेषज्ञों ने भी भाग लिया और विविध वैज्ञानिक और कार्यान्वयन दृष्टिकोणों से चर्चा में अपने विचार प्रस्तुत किए।

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. विनोद कुमार पॉल ने कहा कि वन हेल्थ के क्षेत्र में भारत की प्रगति एक मजबूत, समग्र सरकारी दृष्टिकोण पर निर्भर करती है जो एक स्वस्थ और अधिक सुदृढ़ भविष्य की ओर अग्रसर है। इस प्रयास में सामुदायिक भागीदारी केंद्रीय भूमिका निभाती है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

माननीय सांसदों ने वडोदरा मंडल द्वारा किये गये विकास कार्यों पर संतोष जताया

पश्चिम रेलवे द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय एवं संवाद को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत 21 नवम्बर 2025 को अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों के क्षेत्राधिकार में आने वाले माननीय सांसदों के साथ महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता की एक बैठक का आयोजन अहमदाबाद स्थित सर्किट हाउस में किया गया। बैठक में माननीय सांसदों ने वडोदरा मंडल द्वारा किये गये विकास कार्यों एवं प्रदान की गयी यात्री सुविधाओं पर संतोष जाहिर किया एवं जनप्रतिनिधि के रूप में महाप्रबंधक एवं मंडल रेल प्रबंधक से अपने क्षेत्र के रेल संबंधी सुझावों साझा किये।

इस बैठक में माननीय सांसदों में श्री हसमुखभाई पटेल (अहमदाबाद पूर्व), श्री दिनेशभाई मकवाना (अहमदाबाद पश्चिम), श्रीमती शोभनाबेन बारैया (साबरकांठा), श्री मनसुखभाई वसावा (भरुच), श्री जशुभाई राठवा (छोटा उदयपुर), श्रीमती अनिता चौहान (रतलाम) तथा श्री मयंकभाई नायक (राज्यसभा) उपस्थित रहे। भरुच से माननीय सांसद श्री मनसुखभाई वसावा ने भरुच में अवंतिका एक्सप्रेस, सूर्यनगरी एक्सप्रेस एवं लोकशक्ति एक्सप्रेस के स्टॉपेज को पुनर्बहाल करने और वंदे भारत एक्सप्रेस के भरुच में स्टॉपेज की मांग की। उन्होंने यात्रियों की सुविधा के लिए अंकलेश्वर और राजपिपला के बीच ट्रेन सेवा शुरू करने की मांग की, जो ब्रॉड गेज में

परिवर्तित हो चुका है। छोटा उदयपुर से माननीय सांसद श्री जशुभाई राठवा ने नैरो गेज से ब्रॉड गेज में बदल चुके दभोई – मियागाम कर्जन खंड पर ट्रेन सेवा की मांग रखी। रतलाम से माननीया सांसद श्रीमती अनिता चौहान ने प्रतापनगर से छोटा उदेपुर ट्रेन को जोबट तक विस्तारित करने की मांग की। पश्चिम रेलवे प्रशासन द्वारा माननीय सांसदों के जनहित के इन सुझावों को पूरा करने का प्रयास किया जायेगा।

बैठक की शुरूआत में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता द्वारा बैठक में उपस्थित माननीय सांसदों का स्वागत किया गया। अपने स्वागत संबोधन में महाप्रबंधक श्री गुप्ता ने माननीय सांसदों को पश्चिम रेलवे की प्रगति से अवगत करते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 के भारतीय रेल बजट में गुजरात राज्य के लिए ₹17,155 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। यह निवेश गुजरात में कनेक्टिविटी, औद्योगिक प्रगति और यात्री सुविधाओं को नई गति और दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि गुजरात में रेल विकास की गति लगातार तेज होती जा रही है। हाल ही में आणंदझगोधरा दोहरीकरण परियोजना रिकॉर्ड समय में सफलतापूर्वक पूरी की गई है। इसी के साथ, भारतीय रेल पर विद्युतीकरण के 100 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर पश्चिम रेलवे के पूरे ब्रॉड गेज नेटवर्क का विद्युतीकरण भी पूर्ण हो गया है, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वडोदरा झ रतलाम तृतीय एवं चतुर्थ लाइन परियोजना पश्चिम रेलवे की एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षमता-वृद्धि परियोजना है। 259 किमी की इस परियोजना के लिए ₹8,884.74 करोड़ की स्वीकृति मिली है, जो पश्चिम रेलवे के रेल नेटवर्क को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने बैठक में माननीय सांसदों को वडोदरा मंडल की प्रगति पर विभिन्न नवीन यात्री सुविधाओं तथा विकासात्मक उपलब्धियों से अवगत कराया। श्री भडके ने माननीय सांसदों को मंडल द्वारा दिवाली एवं छठ पूजा के दौरान किए गए उत्कृष्ट क्राउड मैनेजमेंट प्रयासों, नॉन फेयर रिवेन्यू के तहत वडोदरा मंडल द्वारा यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही यात्री सुविधाएं, कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत प्रोजेक्ट सारथी, दिव्यांगों के स्टेशन पर क्रचेज, भरुच स्टेशन पर हेरिटेज लॉबी का विकास जैसे प्रयासों, यात्रिओं की सुविधा के लिए शुरू की गयी नई ट्रेन सेवाओं एवं ट्रेनों के अतिरिक्त स्टॉपेज की जानकारी दी।

श्री भडके ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किए जा चुके उत्राण, डाकोर, डेरोल, कोसंबा करमसद के साथ साथ पुनर्विकसित किये जा रहे 10 अन्य स्टेशनों की प्रगति साझा की।

रेलवे प्रशासन की ओर से महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद श्री वेद प्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक वडोदरा श्री राजू भडके, पश्चिम रेलवे मुख्यालय से आए प्रमुख मुख्य रेल अधिकारी, फ्छउ्अ तथा दोनों मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं पालीताना के बीच चलाएगी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और पालीताना स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार स्पेशल ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 09009/09010 बांद्रा टर्मिनस-पालीताना सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09009 बांद्रा टर्मिनस-पालीताना सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 23 नवंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 19:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:25 बजे पालीताना पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09010 पालीताना-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 24 नवंबर, 2025 को पालीताना से 20:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद, बोटाद, धोला, सोनगढ़ और सिहोर (गुजरात) स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09009 एवं 09010 की बुकिंग 22 नवंबर 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

जगुदन स्टेशन पर इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मण्डल के जगुदन स्टेशन यार्ड में 23.11.2025 (रविवार) को ब्रिज संख्या 983 के पुनर्निर्माण कार्य के संबंध में ब्लॉक लिया जा रहा है। जिसके कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी। जो निम्नानुसार है:-

पूर्णतः रद्द ट्रेन

- दिनांक 23.11.2025 की ट्रेन संख्या 14821 जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- दिनांक 24.11.2025 की ट्रेन संख्या 14822 साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

आंशिक रद्द ट्रेनें:

- दिनांक 23.11.2025 की ट्रेन संख्या 20959/20960 वलसाड-वडनगर-वलसाड एक्सप्रेस वडनगर और गांधीनगर कैपिटल के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

रिशेड्यूल ट्रेनें:

1. दिनांक 23.11.2025 की ट्रेन संख्या 20485 जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस जोधपुर से 2 घंटे रिशेड्यूल होगी।
2. दिनांक 23.11.2025 की ट्रेन संख्या 69207 गांधीनगर कैपिटलझ वरेठा मेमू गांधीनगर कैपिटल से 01 घंटा रिशेड्यूल होगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि उपरोक्त बदलाव को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें। यात्री ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www. enquiry. indianrail. gov.in पर अवलोकन कर सकते है।

महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे की अहमदाबाद एवं वडोदरा क्षेत्राधिकार के माननीय सांसदों के साथ बैठक का आयोजन

पश्चिम रेलवे द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय एवं संवाद को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत आज 21 नवम्बर 2025 को अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों के क्षेत्राधिकार में आने वाले माननीय सांसदों के साथ महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता की एक बैठक का आयोजन अहमदाबाद स्थित सर्किट हाउस में किया गया।

बैठक के प्रारम्भ में महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता ने माननीय सांसदों का हार्दिक स्वागत किया तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों को पश्चिम रेलवे में चल रही प्रमुख रेल परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अहमदाबाद सहित पश्चिम रेलवे के अनेक महत्वपूर्ण स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है, तथा इन कार्यों की स्वयं माननीय रेल मंत्री जी द्वारा नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (हउ्रू) का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि सफाले से जेएनपीटी खंड का कार्य अडवांस स्टेज में पहुँच चुका है।

बैठक में अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों में प्रगति पर विभिन्न नवीन यात्री सुविधाओं तथा विकासात्मक उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी साझा की गई। इस दौरान मण्डल रेल प्रबंधक अहमदाबाद श्री वेद प्रकाश द्वारा प्रजेंटेशन के माध्यम से अहमदाबाद मंडल पर दिवाली एवं छठ पूजा के दौरान किए गए उत्कृष्ट क्राउड मैनेजमेंट प्रयासों, मंडल में प्रगति पर विभिन्न रेल परियोजनाओं जैसे नई रेल लाइनों, नई ट्रेन सेवाओं, मेजर रिडेवलपमेंट स्टेशनों (भुज, अहमदाबाद, साबरमती) तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किए जा रहे अन्य 16 स्टेशनों की प्रगति की समीक्षा प्रस्तुत की गई।

- अहमदाबाद मण्डल रूट किमी में भारतीय रेलवे का सबसे बड़ा मण्डल है जिसमें लगभग 1480 रूट किमी रेल लाइन है। जो गुजरात के 10 जिले कवर करता है।
- अहमदाबाद मण्डल ने वर्ष 24-25 में तक भारतीय रेलवे में अधिकतम 13510 रैक के 855010 कंटेनर लोड किए गए।
- अहमदाबाद मण्डल वर्ष 25-26 में भारतीय रेल में लोडिंग में 8 वां एवं फ्रेट राजस्व में 7 वां स्थान रखता है।
- भारतीय रेल के फ्रेट टर्मिनल में अहमदाबाद डिवीजन में सबसे अधिक -78 फ्रेट टर्मिनल है।
- मण्डल का "दीनदयाल पोर्ट" कांडला भारत का दूसरा सबसे बड़ा पब्लिक सेक्टर पोर्ट है।
- भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट पोर्ट 'मुंद्रा पोर्ट' है जो दुनिया का 39वां सबसे बड़ा पोर्ट है।
- अहमदाबाद से वर्ष में लगभग 7.8 करोड़ यात्री यात्रा करते है।
- मण्डल में 'ऊंझा' एशिया में सबसे बड़ा मसाला और जीरा बाजार है।

मंडल रेल प्रबंधक वडोदरा श्री राजू भडके द्वारा वडोदरा मण्डल पर

चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं, यात्री सुविधाओं एवं वडोदरा मण्डल पर किए विभिन्न अभिनव प्रयासों से सांसदो को अवगत कराया।

इस बैठक में माननीय सांसद श्री हसमुखभाई पटेल (अहमदाबाद पूर्व), श्री दिनेशभाई मकवाना (अहमदाबाद पश्चिम), श्रीमती शोभनाबेन बारैया (साबरकांठा), श्री मनसुखभाई वसावा (भरूच), श्री जशुभाई राठवा (छोटा उदयपुर), श्रीमती अनिता चौहान (रतलाम) तथा राज्यसभा सांसद श्री मयंकभाई नायक उपस्थित रहे। रेलवे प्रशासन की ओर से पश्चिम रेलवे मुख्यालय के प्रमुख मुख्य रेल अधिकारी एवं दोनों मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

माननीय सांसदो ने अपने-अपने क्षेत्रों में रेलवे से संबंधित समस्याओं जैसे रेलवे ब्रिज बनाने, ट्रेनों का स्टोपेज प्रदान करने, नई ट्रेन शुरू करने, ट्रेनों का विस्तार करने आदि की मांग की गई जबकि रेलवे की खाली पड़ी जमीन पर वृक्षा रोपण करने, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने, नव निर्माण के समय वाटर लोगिंग का ध्यान रखने, साथ ही हिम्मत नगर से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने एवं वटवा स्टेशन से टेक्सी सेवा जैसे उबर, रैपिडो के शुरूआत जल्दी करने के भी सुझाव दिये गए तथा पश्चिम रेलवे में चल रहे विभिन्न विकास के मुद्दों एवं जनता के सुझावों पर भी चर्चा हुई।

महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे ने सभी माननीय सांसदो के सभी पूछे गए प्रश्नो का समुचित उत्तर दिया तथा उनकी समुचित मांगो एवं सुझावों पर यथा शीघ्र कार्यावही करने का आश्वासन दिया। यह पहल जनप्रतिनिधियों के साथ सहभागिता व सहयोग को बढ़ाकर रेल सुविधाओं के उन्नयन, यात्री सुविधाओं के विस्तार और क्षेत्रीय विकास को नई गति प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री का दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले प्रस्थान वक्तव्य

(जीएनएस)।

मैं दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में जोहान्सबर्ग में आयोजित हो रहे 20वें जी-20 लीडर्स समिट में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति श्री सिरिल रामफोसा के निमंत्रण पर 21 से 23 नवंबर, 2025 तक दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जा रहा हूं।

यह शिखर सम्मेलन विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यह अफ्रीका में आयोजित होने वाला पहला जी-20 शिखर सम्मेलन होगा। 2023 में भारत की जी-20 की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ जी-20 का सदस्य बना था।

यह शिखर सम्मेलन प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर चर्चा का एक अवसर होगा। इस वर्ष के जी-20 का विषय 'एकजुटता, समानता और स्थिरता' है, जिसके माध्यम से दक्षिण अफ्रीका ने नई दिल्ली, भारत और रियो डी जेनेरियो, ब्राजील में आयोजित पिछले शिखर सम्मेलनों के परिणामों को आगे बढ़ाया है। मैं इस शिखर सम्मेलन में 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप अपने देश का दृष्टिकोण प्रस्तुत करूंगा।

मैं भागीदार देशों के नेताओं से मुलाकात और शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित होने वाले छठे आईबीएसए शिखर सम्मेलन में भागीदारी की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा हूं।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा द्वारा पुनर्निर्मित कम्युनिटी हॉल का भव्य उद्घाटन एवं कर्मचारियों को समर्पण

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के पुनर्निर्मित एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त कम्युनिटी हॉल का आज 21 नवम्बर 2025 (शुक्रवार) को मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा द्वारा भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने इस कम्युनिटी हॉल को आधिकारिक रूप से रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के उपयोग हेतु समर्पित किया। अपने संबोधन में श्री वर्मा ने कहा कि 'यह कम्युनिटी हॉल कर्मचारियों के लिए अत्यंत लाभप्रद रहेगा तथा सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक आयोजनों के लिए एक उत्कृष्ट केंद्र सिद्ध होगा।'

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया की कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन उपस्थित रहे एवं कम्युनिटी हॉल के पुनर्निर्माण को महत्व बताते हुए कर्मचारियों के हित में उठाए गए इस कदम की सराहना की। ट्रेड यूनियन और एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी संबोधन दिया और इस सुविधा को कर्मचारियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

कम्युनिटी हॉल की प्रमुख विशेषताएँ

हॉल में 10 नए एयर कंडीशनर (अउ) लगाए गए हैं। विवाह/पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए आधुनिक वरझवधू कक्ष निर्मित किए गए हैं। बड़े आयोजनों हेतु सभा मंडप विकसित किया गया है। परिसर के बाहर सुंदर हरित उद्यान (गार्डन) विकसित किया जा रहा है। रीनोवेशन अवधि के बाद कम्युनिटी हॉल की बुकिंग पुनः प्रारंभ हो चुकी है।

सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त होने के बावजूद यह कम्युनिटी हॉल रेलवे कर्मचारियों के लिए ₹4000 प्रतिदिन की किफायती दर पर उपलब्ध रहेगा, जो निजी आयोजनों के लिए अत्यंत सुलभ है।

उद्घाटन समारोह में मंडल के कर्मचारी एवं अधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह संपूर्ण कार्यक्रम वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

वाणिज्य सचिव ने प्रमुख एसईजेड नीति और परिचालन चुनौतियों के समाधान के लिए उद्योग हितधारकों के साथ संवाद किया

(जीएनएस)।

निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा ईओयू और एसईजेड (ईपीसीईएस) के लिए आज चेन्नई में आयोजित एक उद्योग इंटरफेस में वाणिज्य सचिव श्री राजेश अग्रवाल, आईएएस ने 150 से अधिक हितधारकों के साथ बातचीत की। विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) इकाइयों और डेवलपर्स के प्रतिनिधियों ने विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) - घरेलू टैरिफ क्षेत्र (डीटीए) लेनदेन, छूटे हुए शुल्क, आइसगेट कनेक्टिविटी की बाधाओं, आयात निगरानी प्रणालियों और एमएसएमई के सामने आने वाली रिवर्स जॉब वर्क चुनौतियों से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। आईटी और आईटीईएस हितधारकों ने खाली निर्मित क्षेत्र वर्गीकरण, अनुमोदन पत्रों (एलओए) के नवीनीकरण की समय सीमा और खरीद सत्यापन आवश्यकताओं से संबंधित नियमों पर चिंता व्यक्त की, जो जीएसटी मानदंडों से भिन्न हैं।

प्रतिभागियों ने डीटीए इकाइयों के लिए उपलब्ध रियायती आयात शुल्क और शुल्क वापसी योजनाओं के तहत एसईजेड इकाइयों के लिए समानता की कमी, नई खरीद प्रमाणपत्र प्रक्रिया द्वारा शुरू की गई परिचालन अक्षमताओं, अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिकारी शुल्कों और एसईजेड से डीटीए बिक्री के लिए क्यूसीओ प्रयोज्यता की समीक्षा की आवश्यकता, विशेष रूप से केएएसईजेड जैसे मामलों की ओर ध्यान आकर्षित किया।

इन मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए, वाणिज्य सचिव ने उद्योग जगत के साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव को संभव बनाने के लिए ईपीसीईएस को धन्यवाद दिया और आश्वासन दिया कि मंत्रालय व्यापार सुगमता को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रत्येक चुनौती की विस्तार से जाँच करेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में बदलाव, डीटीए बाजार पहुँच की बढ़ती माँग और एफटीए के बदलते प्रभाव के कारण ऐसी विशेष आर्थिक क्षेत्र नीतियाँ आवश्यक हो गई हैं जो वर्तमान आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप हों।

उन्होंने दीर्घकालिक दृष्टिकोण और डेटा आधारित नीति निर्माण के महत्व पर जोर दिया और उद्योग जगत से सुधार संबंधी विचारों के समर्थन में संरचित विश्लेषण तैयार करने का आग्रह किया। उन्होंने हितधारकों को आश्वासन दिया कि बीएसएनएल के साथ कनेक्टिविटी संबंधी चिंताओं और आयात निगरानी प्रणालियों से संबंधित मुद्दों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने एसईजेड पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक गतिशील, उत्तरदायी और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा कि मंत्रालय उठाए गए सभी मुद्दों की जांच करेगा तथा अधिक लचीले, कुशल और वैश्विक रूप से संरेखित विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) ढांचे के निर्माण के लिए व्यावहारिक समाधान की दिशा में काम करेगा।

24 नवम्बर को पालीताना से बान्द्रा टर्मिनस के लिए चलेगी 'स्पेशल ट्रेन', टिकटों की बुकिंग 22 नवम्बर (शनिवार) से शुरू होगी

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं उनकी सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से पालीताना और बांद्रा टर्मिनस स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर 'स्पेशल ट्रेन' चलाई जाएगी। इस ट्रेन का एसएलआरडी कोच अनारक्षित होगा, जिसके लिए टिकट यूटीएस काउंटर से मिलेगा तथा इस कोच में सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस का किराया लगेगा। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार इस ट्रेन का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 09009/09010 बांद्रा टर्मिनस-पालीताना सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन संख्या 09009 बांद्रा टर्मिनस-पालीताना सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 23 नवम्बर, 2025 को 19:25 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 09:25 बजे पालीताना पहुंचेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09010 पालीताना-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 24 नवम्बर, 2025 को पालीताना से 20:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाढ़, नवसारी, सूरत, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, बोटाद, धोला, सोनगढ़ और सिहोर (गुजरात) स्टेशनों पर रूकेगी। इस ट्रेन में थर्ड एसी और स्लीपर कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09009/09010 की बुकिंग 22 नवम्बर, 2025 (शनिवार) से सभी पीआरएस काउंटरों और क्म्ळउ की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

56वें आईएफएफआई में भारतीय पैनोरमा नॉन-फीचर जूरी के लिए 500 प्रविष्टियों में से 20 फिल्मों को चुनना मुश्किल लेकिन मजेदार अनुभव रहा

भारतीय पैनोरमा नॉन-फीचर के जूरी चेयरपर्सन श्री धरम गुलाटी ने कहा- 'हमने कंटेंट पर फोकस किया, जो किसी भी दूसरी चीज से ज्यादा जरूरी है'

स्क्रीनिंग के लिए फिल्मों को चुनने की प्रक्रिया पर आईपी नॉन-फीचर जूरी मेंबर अशोक कश्यप ने कह- 'हमने भारत को चुना है'

56वें आईएफएफआई नॉन-फीचर जूरी ने दिखाई जा रही फिल्मों की विविधता पर रोशनी डाली

56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में भारतीय पैनोरमा (आईपी) नॉन-फीचर जूरी के चेयरपर्सन श्री धरम गुलाटी ने कहा, '500 प्रविष्टियों में से 20 फिल्में चुनना सच में बहुत मुश्किल था!' उनकी बात पर सभी जूरी मेंबर्स ने भी सहमति व्यक्त की! चेयरपर्सन श्री धरम गुलाटी ने अपने साथी जूरी सदस्यों अंजलि पंजाबी, अशोक कश्यप, बॉबी सरमा बरुआ, रेखा गुप्ता, ए. कार्तिक राजा और ज्योत्सना गर्ग के साथ आज गोवा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने एकमत से यह भी कहा कि

उन्हें सभी फिल्में देखने में मजा आया।

नॉन-फीचर्स जूरी के चेयरपर्सन ने कहा कि हमने जो भी फिल्में चुनीं, उन पर जूरी के सभी सदस्य एकमत थे। उन्होंने आगे कहा, "असल में, हम कंटेंट देख रहे थे, जो किसी भी दूसरी चीज से ज्यादा जरूरी है।" उन्होंने उन फिल्म मेकर्स से अपनी फिल्में मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ) और दूसरे महोत्सवों में भेजने का अनुरोध किया, जिनकी फिल्में आईपी नॉन-फीचर्स के लिए नहीं चुनी गईं।

उन्होंने कहा कि फिल्में चुनते समय, जूरी को यह भी लगा कि उन्हें अलग-अलग इलाकों और अलग-अलग भाषाओं की फिल्में चुननी चाहिए।

दूसरे जूरी मेंबर्स ने भी आईपी की नॉन-फीचर्स कैटेगरी में दिखाई जा रही 20 फिल्मों को चुनने के अपने अनुभव और उन्हें सबसे ज्यादा पसंद आए प्रोजेक्ट्स के बारे में अपनी राय दी।

धर्म गुलाटी ने 'बैटलफील्ड' का जिक्र किया झ यह मणिपुर में शूट की गई एक डॉक्यूमेंट्री है, जो इम्फाल की लड़ाई पर आधारित है, जो डब्ल्यूडब्ल्यू-क्क की सबसे खूनी लड़ाइयों में से एक थी, जिसने 1944 में मणिपुर को तबाह कर दिया था और वहां के लोगों पर गहरे निशान छोड़े थे।

जूरी मेंबर अंजलि पंजाबी ने कहा कि आईपी नॉन-फीचर्स सेक्शन शॉर्ट फिक्शन का एक शानदार खजाना है। उन्होंने कहा, 'इस साल हम भाग्यशाली थे कि हमें फिल्मों की एक शानदार वैरायटी मिली।' उन्होंने कहा कि शॉर्ट फिक्शन आपको फीचर और फंडिंग की रुकावटों से आजाद कर देती है। उन्होंने आगे कहा, 'हमारे पास पुराने फिल्म निमार्ताओं के साथ-साथ भविष्य के स्टूडेंट फिल्म निमार्ता भी थे जिन्होंने अपनी फिल्में प्रस्तुत की हैं। विषय संबंधी मामले भी बहुत अलग-अलग तरह के थे।' अंजलि पंजाबी ने कहा कि ओपनिंग नॉन-फीचर 'काकोरी' जैसी फिल्मों में नॉन-फिक्शन और फिक्शन का एक सुंदर मिश्रण है।

बॉबी सरमा बरुआ ने कहा कि जूरी ने सिक्किमी फिल्म 'शंगरीला' और असमी फिल्म 'पत्रलेखा' जैसे पूर्वोत्तर के कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स चुने हैं।

रेखा गुप्ता ने कहा कि 505 प्रविष्टियों में से 'काकोरी' अकेली ऐसी फिल्म है जो काकोरी घटना के सौ साल पूरे होने पर भारत के आजादी के संघर्ष और हमारे गुमनाम नायकों के इतिहास को दिखाती है। उन्होंने फिल्म 'आदि कैलाश' का जिक्र किया जो भारत से मानसरोवर जाने वाले रास्ते और मानसरोवर के रास्ते में पड़ने वाले आदि कैलाश पर आधारित है।

ज्योत्सना गर्ग ने सभी को पिपलांत्री देखने की सलाह दी, जो राजस्थान के राजसमुंद जिले के एक दूर की सोचने वाले सरपंच की कहानी है, जिसने कन्या भ्रूण हत्या, गिरते जल स्तर और जंगलों की कटाई जैसी सामाजिक समस्याओं से अनोखे तरीके से निपटा और उनका समाधान निकाला। उन्होंने 'नीलगिरी' की शानदार सिनेमैटोग्राफी की भी तारीफ की।

पीड़ित महिला ने बरखेड़ा पुलिस द्वारा शिकायत पर कार्यवाही न करने व उसके साथ पुलिस द्वारा अभद्रता करने से क्षुब्ध होकर मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

बरखेड़ा (पीलीभीत)- पीड़िता किशोरी देवी पत्नी श्री सुरेश पाल, ग्राम झ करोड़, थाना झ बरखेड़ा, जनपद पीलीभीत मुख्यमंत्री के संबोधन में जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करते हुए बताया है कि दिनांक झ 25/10/2025 को पीड़िता घर नहीं थी `पीड़िता के घर पर ताला लगा था` गाँव के ही वीरवल पुत्र झाऊ लाल, कुंती देवी पत्नी वीरवल व राधा पुत्री वीरबल ने पीड़िता के घर में चोरी कर सारा माल जेबर आदि चुरा लिया, जिसमे सोने के दो टीका बजन लगभग 5 ग्राम, और 2.5 ग्राम का बेसर, झुमकी 5 ग्राम , एक सोने का पैंडल बजन 6 ग्राम, चांदी की एक चैन बजन 20 ग्राम और पर्स में रखे 2000 रुपये थे` जिसकी शिकायत पीड़िता द्वारा दिनांक 26/10/2025 को करोड़ चौकी पर की गयी, जहाँ पर चौकी इंचार्ज द्वारा कहा गया कि चावल पढ़वाकर खिला दो चोर का पता चल जायेगा` किन्तु कोई कार्यवाही नहीं की` जिसके बाद पीड़िता ने दिनांक 30/10/2025 को पुलिस अधीक्षक पीलीभीत से शिकायत की` जिससे उपरोक्त व्यक्ति भड़क गए और प्रार्थिनी से गाली गलौज की` दिनांक झ 09/11/2025 को समयह करीब 07: 30 बजे नीरज पत्नी हरेन्द्र ने अपने भाई शिव कुमार पुत्र नामालूम व उसके साथ दो अज्ञात लोग पीड़िता के घर में घुस आये और मां बहन की गन्दी गन्दी गलियाँ देते हुए पीड़िता के साथ लाठी डंडों से मारपीट की जिससे पीड़िता के शरीर पर कई गंभीर चोटें आई हैं व पीड़िता के 14 वर्षीय बेटे को कमरे में बंद कर दिया` घटना के समय वीरवल ने पीड़िता को जमीन पर पटक दिया और गर्दन पकड़ कर जान से मारने की कोशिश की` पीड़िता की चीख पुकार सुन गाँव के लोग एकत्र हो गए और पीड़िता को बचाया` जिसकी शिकायत करने पीड़िता पुनः करोड़ चौकी पहुंची, वहां पर सिपाही सौरभ ने पीड़िता के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए पीड़िता को धक्के मार कर भगा दिया, उसके बाद पीड़िता तत्काल अपनी शिकायत लेकर थाना बरखेड़ा पुलिस के पास गयी` जहाँ बरखेड़ा पुलिस ने इस बार भी पीड़िता की शिकायत पर कोई कार्यवाही नहीं की` बरखेड़ा पुलिस की कार्यशैली व अभद्रता पूर्ण व्यवहार से निराश होकर पीड़िता पुनः 11/11/2025 अपनी शिकायत लेकर पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के पास गयी लेकिन इस बार भी पीड़िता की फरियाद नहीं सुनी गयी` पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराकर उपरोक्त दोषियों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्यवही की मांग की है

तेज रफ्तार वैन पेड़ से टकराकर खाई में पलटी,आधा दर्जन बच्चे गंभीर रूप से घायल

(जीएनएस)।

पीलीभीत। तेज रफ्तार स्कूली बच्चों से भरी वैन खाई में पलटी।लॉर्ड कृष्णा स्कूल की वैन थी। जानकारी के मुताबिक ड्राइवर की लापरवाही के चलते यह सड़क हादसा हुआ है जानकारी के मुताबिक तेज रफ्तार मे थी स्कूली वैन अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराकर खाई में पलट गई। जानकारी के मुताबिक गाड़ी में दो दर्जन से अधिक बच्चे सवार थे लेकिन आधा दर्जन बच्चों को गंभीर चोटें आई है जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है हालांकि बच्चे अब सुरक्षित है।

तेज रफ्तार के चलते यह हादसा हुआ है ड्राइवर की लापरवाही के चलते स्कूली वैन अनियंत्रित होकर पलटी।थाना माधौटांडा क्षेत्र के माला जंगल का मामला है सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर घायलों को तत्काल उपचार हेतु सीएचसी पूरनपुर भेजा गया है, अन्य विधिक कार्यवाही अमल में

लायी जा रही है।

बीसलपुरः आपूर्ति कार्यालय में ताला लटका - उपभोक्ता परेशान, कर्मचारी लापरवाह!

- सुबह 10 बजे के बाद भी बंद; उच्च अधिकारियों की अनदेखी से हाहाकार

(जीएनएस)।

(पीलीभीत)बीसलपुर एसडीएम कार्यालय के ठीक सामने स्थित आपूर्ति कार्यालय बीसलपुर इन दिनों लापरवाही का शिकार बन चुका है। उच्च अधिकारियों की मिलीभगत से यहां के अधिकारी व कर्मचारी मनमानी पर उतारू हैं। कार्यालय खुलने के निर्धारित समय सुबह 10 बजे के बाद भी दरवाजे पर ताला लटका रहता है, जिससे सैकड़ों उपभोक्ता घंटों इंतजार करने को मजबूर हो जाते हैं। राशन कार्ड धारक, गरीबी रेखा के नीचे के परिवार और अन्य जरूरतमंद लोग इस व्यवस्था से बेहद परेशान हैं।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह समस्या कई दिनों से चली आ रही है। एक उपभोक्ता ने बताया, "हम दूर-दराज के गांवों से आते हैं, लेकिन कर्मचारी समय पर नहीं पहुंचते। कभी दोपहर में ही कार्यालय का काम बंद हो जाता है,

दोपहर में काम बंद होने से लोगों को दोबारा आने पड़ता है, जो खासकर महिलाओं और बुजुर्गों के लिए कष्टदायक है।

बेटे ने बुजुर्ग मां के साथ रेप, पिता की समाधि पर दीपक जलाने बहाने खेत ले जाकर अमानवीय वारदात

(जीएनएस)।

पीलीभीत मां ने पुलिस को तहरीर दी, आरोपी फरार, सीओ प्रगति चौहान ने मुकदमा दर्ज कर टीमें लगाईं, इलाके में सनसनी, सख्त कार्रवाई का भरोसा बरखेड़ा थाना क्षेत्र से एक ऐसी जघन्य घटना सामने आई, जिसने समाज को झकझोर दिया। एक कुख्यात बेटे ने अपनी बुजुर्ग मां के साथ बलात्कार कर दिया। पीड़िता ने पिता की समाधि पर दीपक जलाने के बहाने बेटे के साथ खेत जाने की बात बताई। वहां आरोपी ने मां के कपड़े उतारे, मुंह दबाया व अमानवीय कृत्य को अंजाम दिया। किसी तरह जान बचाकर घर लौटी मां ने थाने में तहरीर दी। सीओ बीसलपुर प्रगति चौहान ने मामले को संज्ञान में ले मुकदमा दर्ज कराया। आरोपी फरार, टीमें तलाश में

जुटीं। इलाके में दहशत व आक्रोश।

घटना बृहस्पतिवार शाम बरखेड़ा थाना के एक गांव में घटी। पीड़िता (उम्र 60+) ने बताया, "बेटा बोला झ पिताजी की समाधि पर दीपक जलाएं। मैं चली गई। खेत पर दीपक रखवाया, फिर अचानक हमला। चिल्लाई तो मुंह दबा दिया। जान बचाकर भागी।" महिला ने घरवालों को बताया, फिर थाने पहुंची। बरखेड़ा थानाध्यक्ष ने तुरंत एक्शन लिया। सीओ प्रगति चौहान ने कहा, "पीड़िता की तहरीर पर क्ढउ 376 व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज। मेडिकल परीक्षण कराया, आरोपी बेटे की तलाश। परिवारिक झगड़ा या नशा कारण? जांच पूरी कर सजा दिलाएंगे। महिलाओं की सुरक्षा प्राथमिकता।"

ग्रामीण स्तब्ध झ "मां-बेटे का रिश्ता? ये पाशविकता। सख्त सजा दो।" एसपी ने निर्देश झ "तत्काल गिरफ्तारी, निगरानी बढ़ाओ।" घटना से गांव सन्नाटे में। पीड़िता को काउंसलिंग व सुरक्षा। जांच जारी।

उत्पादन/आय विधि का उपयोग करते हुए राष्ट्रीय लेखा समुच्चयों के संकलन में पद्धतिगत सुधारग्न पर चर्चा पत्र का विमोचन

वित्त वर्ष 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए राष्ट्रीय खातों की नई श्रृंखला 27 फरवरी, 2026 को जारी की जाएगी

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने चर्चा पत्र पर राष्ट्रीय खातों के आंकड़ों के विशेषज्ञों और उपयोगकर्ताओं से टिप्पणियां/प्रतिक्रिया आमंत्रित की है

(जीएनएस)।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (टङ्गरढक) राष्ट्रीय लेखाओं के आधार वर्ष को संशोधित करने की प्रक्रिया में है। प्रोफेसर बीएन गोल्डार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी (अउठअर) पर एक सलाहकार समिति गठित की गई है, जो अन्य बातों के अलावा, राष्ट्रीय लेखाओं के अनुमानों में सुधार हेतु नए डेटा स्रोतों को शामिल करने और आर्थिक विश्लेषण एवं नीति निर्माण के उद्देश्यों हेतु राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के संकलन एवं प्रस्तुतिकरण की कार्यप्रणाली पर सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय को सलाह देगी। समिति में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों, राज्य सरकारों, शैक्षणिक जगत और अनुसंधान संस्थानों का प्रतिनिधित्व है।

वित्त वर्ष 2022-23 को नई श्रृंखला के लिए आधार वर्ष चुना गया है और नई श्रृंखला के अनुमान 27 फरवरी, 2026 को जारी किए जाने हैं। राष्ट्रीय लेखा आंकड़ों के उपयोगकर्ताओं को नई श्रृंखला में किए जा रहे बदलावों से अवगत कराने के उद्देश्य से, मंत्रालय ने राष्ट्रीय लेखा पर कुछ चर्चा पत्र जारी करने की योजना बनाई है। यह पहला चर्चा पत्र है जो नाममात्र और वास्तविक दोनों ही दृष्टियों से समुच्चयों (उत्पादन/आय दृष्टिकोण का उपयोग करके) के संकलन में बदलावों पर केंद्रित है। यह चर्चा पत्र सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की वेबसाइट - ६६६.ङ्क्षरस्र.ङ्क्ष५.ल्ल पर उपलब्ध है । अगले चर्चा पत्र में व्यय दृष्टिकोण का उपयोग करके समुच्चयों के संकलन में पद्धतिगत बदलावों को शामिल किए जाने की उम्मीद है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (टङ्गरढक) इस चर्चा पत्र पर विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, सरकारी निकायों, राज्य सरकारों, वित्तीय संस्थानों, राष्ट्रीय लेखा डेटा के उपयोगकर्ताओं और अन्य हितधारकों से टिप्पणियाँ/प्रतिक्रियाएँ आमंत्रित करता है।

दहेज उत्पीड़न से आहत विवाहिता ने की आत्महत्या, मायके वालों ने दामाद पर लगाया आरोप, पुलिस जांच में जुटी

(जीएनएस)।

मलिहाबाद। हसनापुर में गुरुवार देर रात दहेज उत्पीड़न से तंग आकर एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने अपने घर के बरामदे में टीन शेड से रस्सी के सहारे फंदा लगाकर यह कदम उठाया।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

मृतक कुसुम की माँ ममता ने थाने में तहरीर दी है उन्होंने अपनी तहरीर में दामाद मुकेश पर गंभीर आरोप लगाए हैं। माता ममता के अनुसार शादी के कुछ ही दिनों बाद से उनका दामाद मुकेश, कुसुम को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित करता था और झगड़ा करता था। इसी उत्पीड़न और कलह से आहत होकर कुसुम ने आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाया।

इंस्पेक्टर अपराध सुरेंद्र मिश्र ने बताया मृतका की माँ से तहरीर मिल गई है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य हरिश शर्मा ने प्रवर्तन दल द्वारा पकड़ी गई स्कूल वैन के संबंध में प्रेस वार्ता में किया खुलासा

(जीएनएस)।

पीलीभीत जनपद के तहसील बीसलपुर से है आपको बता दे कि बीते बृहस्पतिवार दिनांक 20 नवंबर 2025 को आरटीओ प्रवर्तन दल की टीम द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यार्थियों को ले जाने वाली गाड़ियों का चालान करने सीज करने की कार्रवाई की गई बताया गया कि दो गाड़ियों में मानक के विपरीत लगभग 40 बच्चे पाए गए ।

जिस विद्यालय की मैनेजमेंट व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह खड़े हो गए विद्यालय के प्रधानाचार्य ने प्रेस वार्ता से स्पष्ट किया कि पकड़ी गई गाड़ियां विद्यालय की नहीं है, वे गाड़ियां अभिभावकगण अपनी जिम्मेदारी पर चलवा रहे हैं, उन गाड़ियों का विद्यालय की व्यवस्था से कोई संबंध नहीं है ।

दो दिवसीय ग्रामीण खेल लीग का धूमधाम से उद्घाटन

विधायक स्वामी प्रवक्ता नंद ने हरी झंडी दिखाई झ गुब्बारे उड़ाकर उत्साह बढ़ाया, पहले दिन लंबी कूद से वॉलीबॉल तक में दमदार प्रदर्शन, सैकड़ों युवा खिलाड़ी मैदान में

(जीएनएस)।

पीलीभीत जिले में ग्रामीण खेलों को बढ़ावा देने की मुहिम तेज। विकास खंड बरखेड़ा के उच्च प्राथमिक विद्यालय में दो दिवसीय खंड स्तरीय उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। बरखेड़ा विधानसभा 128 के विधायक स्वामी प्रवक्ता नंद ने हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन किया। पूर्व चेयरमैन अशोक कुमार गुप्ता भी मौजूद। विधायक ने गुब्बारे हवा में उड़ाकर खिलाड़ियों का हौसला

बढ़ाया व कहा, "खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा। ये युवाओं को अनुशासन व स्वास्थ्य सिखाते। ग्रामीण स्तर पर ऐसे आयोजन जरूरी।" पहले दिन बालक-बालिका वर्गों में दौड़, कूद व वॉलीबॉल में जोरदार मुकाबले। शनिवार को बाकी प्रतियोगिताएं।

कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीण युवा शामिल। विधायक ने जीवन में खेलों के फायदे बताते हुए कहा, "ये न सिर्फ फिट रखते, बल्कि टीमवर्क व संघर्ष सिखाते। ग्रामीण प्रतिभाओं को मौका मिले।" पहले दिन के विजेताः

लंबी कूद बालिका जूनियर वर्षा (प्रथम)

800 मीटर सीनियर बालिका संध्या (प्रथम)

400 मीटर सीनियर बालिका लती (प्रथम)

जूनियर/सब जूनियर वॉलीबॉल पंडित देवदत्त जनता इंटर कॉलेज (प्रथम)

100 मीटर सब जूनियर बालिका रानी (प्रथम)

800 मीटर सब जूनियर बालक अनिल कुमार (प्रथम)

100 मीटर सब जूनियर बालक विकास कुमार (प्रथम)

बालिका ऊंची कूद जूनियरः दामिनी देवी (प्रथम)

1500 मीटर जूनियर बालक मोहित वर्मा (प्रथम)

मुख्य अतिथिः मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. पीके त्यागी, डीआईओएस राकेश कुमार यादव, जिला क्रीड़ाधिकारी जयवीर सिंह, बीडीओ बरखेड़ा वेद प्रकाश, खंड शिक्षा अधिकारी अजय कुमार सिंह, समाजसेवी सेठ मोहम्मद अनस व पैरा क्रिकेटर रेहान अहमद। आयोजकः क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अमित कुमार व छविराम सिंह। निर्णायकः राजेश कुमार शुक्ला, प्रशांत शुक्ला, राजीव कुमार मिश्रा, विभा मिश्रा, संजीव कुमार कुशवाहा, सुरेंद्र कुमार, आलोक गंगवार, प्रदीप कुमार, खेमकरण गंगवार, शिल्पी सिंह व रीना मिश्रा।

ग्रामीणों ने सराहा झ "ये आयोजन युवाओं को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।" शनिवार को फाइनल मुकाबले। खेल भावना जियो!

विधायक बाबू राम पासवान ने किया कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

(जीएनएस)।

पीलीभीत पूरनपुर । पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बाबूराम पासवान ने बुधवार को क्षेत्र के गांव जोगराजपुर में कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की और फीता काटकर विधिवत रूप से केंद्र का उद्घाटन किया।

जोगराजपुर निवासी मोनू मिश्रा ने कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र को स्थापित किया है। इसका उद्घाटन विधायक बाबूराम पासवान ने किया। उन्होंने कहा कि कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि इस केंद्र के माध्यम से युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे और क्षेत्र की तरक्की में उनका योगदान होगा।

सरकार की मंशा है कि हर युवा शिक्षित हो और स्वावलंबी बने। इसी दिशा में यह केंद्र एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं से आग्रह किया कि वे पूरी लगन से प्रशिक्षण लें और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएं।

मौजूद, लोगों में

किन्दर, सिह यादव प्रधान, जगदीश वर्मा, रामनिवास कश्यप, राजकुमार श्रीवास्तव, मुकेश वर्मा, लुकमान मोहित मिश्रा, मनोज बर्मा, हंसराम राठौर राम लखन शर्मा अभिषेक पांडे, फैजान दिनेश श्रीवास्तव, गोल्डी आज मौजूद थे

आईडब्ल्यूएआई ने पूर्वोत्तर में अंतदेर्शीय जलमार्ग और औद्योगिक संपर्क को बढ़ावा देने के लिए भारत समुद्री सप्ताह 2025 में 3,000 करोड़ रुपये के प्रमुख समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

श्री सबानंद सोनोवाल ने एनईआर की प्रमुख परियोजनाओं, बोगीबील में एप्रोच रोड और एलिवेटेड रोड के लिए अवधारणा अध्ययन की समीक्षा की

आईडब्ल्यूएआई और असम पेट्रो-केमिकल्स (एपीएल) ने बांग्लादेश और दक्षिण पूर्व एशिया में जलमार्ग के माध्यम से मेथनॉल और फॉर्मेलिन के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया

आईडब्ल्यूएआई और असम सरकार ने गुवाहाटी, डिब्रूगढ़ और तेजपुर में ब्रह्मपुत्र पर 1,000 करोड़ रुपये की जल मेट्रो परियोजना विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

आईडब्ल्यूएआई और डीजीएलएल ने बोगीबील, सिलघाट, बिश्वनाथ घाट और पांडु में नदी प्रकाश स्तंभ विकसित करने तथा ब्रह्मपुत्र पर नौवहन सुरक्षा बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नए नदी टर्मिनल और यात्री सुविधाएं मिजोरम में जलमार्ग संपर्क बढ़ाएंगे

आईडब्ल्यूएआई गुमटी-मेघना जलमार्ग लिंक का निर्माण करेगा; त्रिपुरा में डंबूर झील के लिए क्रूज शिप परियोजना प्रस्तावित

अरुणाचल प्रदेश में सियांग नदी पर एकीकृत आईडब्ल्यूटी सुविधाओं के लिए प्रस्ताव रखा गया

नागालैंड में दोयांग, नौने और

शिलोई झीलों में वाटर स्पोर्ट्स सहित आईडब्ल्यूटी की संभावनाएं तलाशी गईं

(जीएनएस)।

पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत जलमार्ग विकास हेतु नोडल एजेंसी भारतीय अंतदेर्शीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने असम के अंतदेर्शीय जल परिवहन नेटवर्क और औद्योगिक लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने के लिए दो प्रमुख समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौते—एक असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड के साथ और दूसरा असम सरकार के साथ—राज्य की विस्तृत नदी प्रणालियों के माध्यम से माल और यात्रियों की आवाजाही को बढ़ावा देने, सतत संपर्क और क्षेत्रीय विकास के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से किए गए हैं।

पूर्वोत्तर में कई परियोजनाओं के विकास के मद्देनजर केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री (एमओपीएसडब्ल्यू) श्री सबानंद सोनोवाल ने असम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय में सभी परियोजनाओं पर मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों समेत आईडब्ल्यूएआई के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें केंद्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस) के तहत परियोजनाएं भी शामिल थीं।

आईएमडब्ल्यू में आईडब्ल्यूएआई और असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड (एपीएल) के बीच पहले समझौता ज्ञापन का उद्देश्य भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल रूट (आईबीपीआर) और राष्ट्रीय जलमार्गों (एनडब्ल्यू) के माध्यम से मेथनॉल और फॉर्मेलिन के परिवहन के लिए सहयोग करना है। इस पहल से बोगीबील, पांडु और जोगीघोपा स्थित आईडब्ल्यूएआई जेटी से बांग्लादेश और दक्षिण पूर्व एशिया के गंतव्यों तक निर्यात सुगम होगा, साथ ही राष्ट्रीय जलमार्ग-1 और 2 के माध्यम से घरेलू आपूर्ति श्रृंखलाओं को भी मजबूती मिलेगी।

यह परियोजना केंद्र सरकार की प्रमुख पहल 'पीएम गति शक्ति - मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान' के अनुरूप है और इससे असम के निर्यात और औद्योगिक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। एपीएल वर्तमान में सालाना 1.98 लाख मीट्रिक टन मेथनॉल और 1.15 लाख मीट्रिक टन फॉर्मेलिन का उत्पादन करता है और नई व्यवस्था इन उत्पादों के थोक, लागत-प्रभावी और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को सक्षम बनाएगी। इस पहल के लिए कुल निवेश 400 करोड़ रुपए आंका गया है, जिसमें टैंकर जहाजों और संबंधित बुनियादी ढांचे की खरीद शामिल है।

आईडब्ल्यूएआई अपने बोगीबील, पांडु और जोगीघोपा टर्मिनलों पर सुविधाओं, नेविगेशन सहायता, बंकरिंग सुविधाओं और अग्निशमन प्रणालियों सहित व्यापक परिचालन और तकनीकी

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्यक्रम

(जीएनएस)।

एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर प्रदेश की समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्यक्रम के अन्तर्गत गणना प्रपत्रों एवं संग्रह हेतु दिनांक 04.11.2025 से दिनांक 04.12.2025 तक निर्धारित किया गया है। उक्त अवधि में बी०एल०ओ० द्वारा घर-घर भ्रमण के दौरान गणना प्रपत्रों का वितरण समस्त मतदाताओं को करा दिया गया है तथा भरे हुये गणना प्रपत्र मतदाताओं से बी०एल०ओ० द्वारा प्राप्त किये जा रहे हैं।

उक्त को दृष्टिगत रखते हुये विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अवधि में यदि किसी व्यक्ति का नाम कई स्थानों पर मतदाता सूची में है तो उसे कई स्थानों पर गणना प्रपत्र प्राप्त हो सकते हैं, परन्तु उसे या उसके परिवार के सदस्यों को केवल एक ही गणना प्रपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे। एक व्यक्ति द्वारा कई गणना प्रपत्र पर हस्ताक्षर करने पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा-31 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध है, जिसके लिए एक वर्ष तक का कारावास या जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं।

(पूजा मिश्रा)

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) / उप जिला निर्वाचन अधिकारी, प्रयागराज ।